INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VIII	**Department: Hindi (2nd Lang)**	**15-12-24**
Question Bank	**Topic: बाज - और साँप**	**Note: Pls. write in your Hindi note book**

अति लघु प्रश्न

प्र.1 – साँप किसे देख कर सिटपिटा गया ?

उत्तर- साँप बाज को देखकर सिटपिटा गया ।

प्र.2 -बाज को किस से शिकायत नहीं थी ?

उत्तर- बाज को जिंदगी से शिकायत नहीं थी ।

प्र.3- साँप कहाँ रहता था ?

उत्तर- साँप अँधेरी गुफ़ा में रहता था ।

प्र.4-एक क्षण के लिए साँप के मन में किस की इच्छा पैदा हुई ?

उत्तर-एक क्षण के लिए साँप के मन में आकाश में उड़ने की इच्छा पैदा हुई ।

प्र.5- बाज का नाम कैसे लिया जाएगा ?

उत्तर- बाज का नाम गर्व एवं श्रद्धा से लिया जाएगा ।

प्रश्न 6. बाज की हालत कैसी थी?

उत्तर – वह खून से लथपथ तथा अधमरा-सा था ।

लघु प्रश्न

प्र.7 -घायल बाज को देखकर साँप खुश क्यों हुआ होगा?

उत्तर-साँप और बाज एक दूसरे के शत्रु होते हैं | साँप बाज का आहार होता है। जब बाज गुफा में आया तो वह घायल अवस्था में था | वह साँप को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुँचा सकता था । इसलिए घायल बाज को देखकर साँप के लिए खुश होना स्वाभाविक था।

प्र.8 - मानव ने भी हमेशा पक्षियों की तरह उड़ने की इच्छा की है। आज मनुष्य उड़ने की इच्छा किन साधनों से पूरी करता है?

उत्तर- मानव ने आदिकाल से ही पक्षियों की तरह उड़ने की इच्छा मन में रखी है। किन्तु शारीरिक असमर्थता की वजह से उड़ नहीं पा रहा था जिसका परिणाम यह हुआ कि मनुष्य ने हवाई जहाज का आविष्कार कर दिखाया। आज मनुष्य अपने उड़ने की इच्छा की पूर्ति हवाई जहाज, हेलीकॉप्टर, गैस-बैलून, रॉकेट आदि साधनों से करता है।

प्रश्न 9. गुफा के अंदर का दृश्य कैसा था?

उत्तर – गुफा के अंदर चट्टानों में पड़ी दरारों से पानी टपक रहा था। सीलन एवं अँधेरे में डूबी गुफा में एक भयानक दुर्गंध फैली हुई थी क्योंकि वहाँ पर सूरज की किरणें नहीं पहुँचती थी। वह दुर्गंध ऐसी थी जैसे की वहाँ पर कोई चीज वर्षों से पड़ी-पड़ी सड़ रही हों।

दीर्घ प्रश्न

प्र.10- घायल होने के बाद भी बाज ने यह क्यों कहा, "मुझे कोई शिकायत नहीं है।" विचार प्रकट कीजिए।

उत्तर-घायल होने के बाद भी बाज ने यह कहा कि – 'मुझे कोई शिकायत नहीं है।' उसने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि वह अपने जीवन को मज़े से बिता चुका था । वह असीम आकाश में जी भरकर उड़ चुका था। जब तक उसके शरीर में ताकत रही तब तक ऐसा कोई सुख नहीं बचा जिसे उसने न भोगा हो। वह अपने जीवन से पूर्णतः संतुष्ट था।

प्र.11 - बाज ज़िंदगी भर आकाश में ही उड़ता रहा फिर घायल होने के बाद भी वह उड़ना क्यों चाहता था?

उत्तर- बाज ज़िंदगी भर आकाश में उड़ता रहा, उसने आकाश की असीम ऊँचाइयों को अपने पंखों से नापा हुआ था। वह घायल होने के बाद भी उड़ना चाहता था क्योंकि वह साहसी था। वह कायर की मौत नहीं मरना चाहता था। वह मरने से पहले अंतिम बार खुले आकाश में उड़ना चाहता था | वह अंतिम क्षण तक जीवन की आवश्यकताओं के लिए संघर्ष करना चाहता था।

प्र.12-साँप उड़ने की इच्छा को मूर्खतापूर्ण मानता था। फिर उसने उड़ने की कोशिश क्यों की?

उत्तर- साँप उड़ने की इच्छा को मूर्खतापूर्ण मानता था क्योंकि वह उड़ने में सक्षम नहीं था | पर जब उसने बाज को खुले आकाश में उड़ने के लिए तड़पते हुए देखा तब साँप के मन में भी आकाश में उड़ने की इच्छा जागी | वह भी जानना चाहता था कि आकाश का मुक्त जीवन कैसा होता है । इस रहस्य का पता लगाने के लिए उसने (साँप ने) भी आकाश में एक बार उड़ने की कोशिश की |

प्र.13-बाज के लिए लहरों ने गीत क्यों गाया था?

उत्तर- बाज घायल और खून से लथपथ था | घायल होने के बाद भी उसके उत्साह में ज़रा भी कमी नहीं आई थी | वह अपनी जान हथेली पर रखकर आसमान में उड़ने लगा | वह फिर से आकाश की ऊँचाइयों को छूना चाहता था | उसने अपने प्राण गँवा दिए परन्तु वह ज़िंदगी के खतरे का सामना करने से पीछे नहीं हटा। बाज के साहस, वीरता और बहादुरी पर प्रसन्न होकर लहरों ने गीत गाया था |